एक नजर में

रामधुन गाते हुए पाटीदार समाज ने सौंपा ज्ञापन

सीहोर. भोपाल के मिसरोद में 25 फरवरी को साध्वी रंजना जी से जुड़े विवाद में पाटीदार समाज के युवाओं पर की गई पुलिस कार्रवाई के विरोध में पाटीदार समाज के लोग रैली के रूप में सनातनी दुपट्टा पहनकर रामधुन का पाठ करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की. समाजजनों ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर निष्पक्ष कार्रवाई की जाए. साथ ही समाज के युवाओं को परेशान नहीं करने और दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की मांग भी की गई. समाजजनों ने यह भी कहा कि उनकी समाज को जिहादी कहने और डीएनए परीक्षण की बात करने जैसे बयानों का विरोध करते हुए सभा में निंदा प्रस्ताव भी पारित किया गया.इस दौरान पाटीदार समाज संगठन के महामंत्री नंदकिशोर पाटीदार, मनोज गुजराती, रघुनंदन निगोदिया, मुकेश मास्टर, राजीव गुजराती, सुभाष पाटीदार, धर्मेंद्र पाटीदार, विष्णु प्रसाद पटेल, मनोहर पाटीदार, सुरेश पाटीदार, रमेश पाटीदार, दिनेश पाटीदार, सियाराम, घनश्याम पाटीदार, प्यारेलाल, विष्णु बेलावत, लक्ष्मीनारायण पटेल, भगवान सिंह, श्रीनाथजी, रामनारायण, पूर्व सरपंच मनोज पाटीदार, नर्मदा प्रसाद पाटीदार, परमानंद, अजय, जगमोहन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे.

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का किया सम्मान

बुधनी. नगर के निजी शैक्षणिक संस्थान श्री शोभा इंटरनेशनल स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया. इस दौरान नगर की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया. समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जैसे गीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत किए गए. साथ ही महिला सशक्तिकरण और समानता विषय पर जागरुकता सत्र भी आयोजित किया गया. कार्यक्रम में शिवानी यादव, रजनी हरदयाल सिंह आजाद, संगीता शर्मा, अलका देशमुख और नमिता तिवारी सहित प्राचार्या प्रीति प्रवाह, शिक्षिकाएं एवं स्टॉफ भी मौजूद था. इसके साथ ही स्कूल प्रबंधन द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला शिक्षकों और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या प्रीति प्रवाह ने अतिथियों, शिक्षकों एवं स्टॉफ का आभार व्यक्त किया.

न्यायिक अधिकारियों को दिया ऑनलाइन प्रशिक्षण

सीहोर. सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा चलाए जा रहे मीडिएशन फॉर नेशन अभियान-2 के अंतर्गत जिला न्यायालयों में पदस्थ न्यायाधीशों के लिए राज्य स्तरीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा एवं न्यायमूर्ति विवेक रूसिया के नेतृत्व में आयोजित किया गया. प्रशिक्षण में जिले से न्यायाधीश प्रकाश चंद्र आर्य, वैभव मंडलोई, एमके वर्मा, विनीता गुप्ता तथा स्वप्नश्री सिंह सहित जिला एवं तहसील न्यायालयों के न्यायिक अधिकारियों ने ऑनलाइन प्रशिक्षण में सहभागिता की. प्रशिक्षण के दौरान बताया कि प्रभावी रेफरल सफल मध्यस्थता प्रणाली की आधारशिला है. समय पर और सुविचारित रेफरल से पक्षकारों के बीच सौहार्दपूर्ण समझौते की संभावना बढ़ती है, न्यायालयों का समय बचता है और न्याय व्यवस्था के प्रति जनविश्वास मजबूत होता है.

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बुधनी. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में नगर में उत्साह और सकारात्मक संदेशों के साथ नगर में विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया. नप अध्यक्ष सुनीता अर्जुन मालवीय ने अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ नगर क्षेत्र में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया. इसी क्रम में नगर की युवा टीम द्वारा गुरुकुल पब्लिक स्कूल परिसर में पौधारोपण किया गया. इस अवसर पर करण खत्री, संचालक आदित्य यादव, अभिषेक बरवे सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं युवा मौजूद थे.

पारंपरिक रूप से निकलेगा रंगपंचमी चल समारोह

बुधनी. नगर में रंगपंचमी के अवसर पर रविवार को पारंपरिक चल समारोह निकाला जाएगा. यह चल समारोह प्रात. 10 बजे नगर के प्राचीन खेड़ापति हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर वार्ड 3 स्थित माता मंदिर पर समापन होगा. इस दौरान डीजे और गाजे-बाजे के साथ उत्साहपूर्वक होली खेली जाएगी. सकल हिंदू समाज द्वारा सभी नागरिकों, युवाओं एवं मातृशक्ति से बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है.

आज जिले में शुष्क दिवस घोषित

सीहोर. कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बालागुरू के के निर्देश अनुसार 8 मार्च को रंगपंचमी के अवसर पर जिले में शुष्क दिवस घोषित किया गया है. इस दौरान शुष्क दिवस में जिले की समस्त 71 कम्पोजिट मदिरा दुकानें, एफएल होटलबार, एफएल रिसोर्ट बार, गोदाम तथा समस्त देशी मद्यभाण्डागार शाम 05 बजे तक बंद रहेंगे.

पानी नहीं तो करेंगे योजनाओं का बहिष्कार

जनसंवाद नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचे कर्मचारियों को बैरंग लौटाया

- नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना से वंचित ग्रामीणों में आक्रोश
- ग्रामीणों ने दी चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी

नवभारत न्यूज

सीहोर/इछावर 7 मार्च. नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना से वंचित रह गए इछावर तहसील के दर्जनभर गांवों में अब आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है. ग्राम दुदलई में उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब बिजली वितरण कंपनी की टीम घरों में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंची. ग्रामीणों ने एकजुट होकर इसका विरोध किया और किसी भी घर में स्मार्ट मीटर लगाने की अनुमति नहीं दी. विरोध के चलते बिजली कंपनी की टीम को बिना मीटर लगाए ही गांव से लौटना पड़ा.

इस दौरान ग्रामीणों ने शासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि यदि उनके गांवों को नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना में शामिल नहीं किया गया तो वे शासन की योजनाओं का बहिष्कार करने परमजबूर होंगे. ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से पानी की समस्या झेल रहे इन गांवों को परियोजना से बाहर रखना उनके साथ अन्याय है.

क्षेत्रवासियों के अनुसार शासन द्वारा जिले में पेयजल आपूर्ति और किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से करोड़ों रुपए की लागत से नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना शुरू की जा रही है. इस महत्वाकांक्षी योजना से कई गांवों को लाभ मिलने की उम्मीद है, लेकिन इछावर तहसील के कुछ गांव अब भी इससे वंचित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आर्या, दौलतपुर, दुदलई, लालियाखेड़ी, कुंडीखाल, हरसपुर, रूपाडा, रूपदी, दुडलावा सहित आसपास के कई गांवों को इस योजना में शामिल नहीं किया गया है.

इछावर. ग्राम दुदलई में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंची टीम का विरोध करते हुए ग्रामीणों ने चुनाव के बहिष्कार की दी चेतावनी.

ग्रामीणों ने बताया कि इन गांवों में गर्मी के मौसम की शुरुआत होते ही जलसंकट गहराने लगता है. कई स्थानों पर पीने के पानी के लिए भी काफी मशक्कत करनी पड़ती है, वहीं किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पाने से फसल उत्पादन भी प्रभावित होता है. ऐसे में जब नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना की पाइपलाइन गांवों की सीमा से होकर गुजर रही है, तब भी गांवों को इसका लाभ नहीं मिलना ग्रामीणों को बेहद खल रहा है.

समस्या नहीं सुलझी तो ग्रामीण करेंगे आंदोलन

ग्राम दुदलई के किसान राजेश जाट, पन्नालाल, कैलाश जाट, जगदीश शर्मा, रामेश्वर, महेश और संतोष सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि वे कई बार वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मिलकर अपनी समस्या रख चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया. ग्रामीणों के अनुसार यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो वह आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होंगे. सरपंच रामचरण बामनिया और योगेश जाट ने बताया कि परियोजना से वंचित अधिकांश गांव पठारी क्षेत्र में स्थित हैं, जहां गर्मी के शुरुआती दिनों में ही पानी की गंभीर समस्या पैदा हो जाती है. इसके बावजूद इन गांवों को योजना से बाहर रखा जाना समझ से परे है. ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को आवेदन देकर मांग उठाई है. बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है.

स्मार्ट मीटर लगाने गई टीम बैरंग लौटी

इधर बिजली वितरण कंपनी के जेई विजय कुमार यूईके ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाने के लिए टीम ग्राम दुदलई पहुंची थी, लेकिन ग्रामीणों ने विरोध करते हुए मीटर लगाने नहीं दिए. विरोध के कारण टीम को वापस लौटना पड़ा. ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उन्हें नर्मदा-पार्वती लिंक परियोजना में शामिल नहीं किया गया तो वे शासन की योजनाओं का बहिष्कार करते हुए आंदोलन को और तेज करेंगे.

दोहरे हत्याकांड में चार आरोपी गिरफ्तार

आष्टा. सिद्दीकगंज थाना क्षेत्र के ग्राम धरमपुरी में परीक्षा देने जा रहे भाई-बहन की हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वन भूमि के पुराने विवाद और एक सड़क दुर्घटना को लेकर पनपी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया.

पुलिस के अनुसार शुक्रवार को फरियादी जगदीश आ. गंगाराम निवासी ग्राम धरमपुरी थाना सिद्दीकगंज ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका पुत्र कुलदीप और पुत्री शीतल परीक्षा देने जा रहे थे, तभी आरोपियों ने उन पर हमला कर उनकी हत्या कर दी. एसडीओपी दामोदर गुप्ता के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों में हेमंत उर्फ संजू आ. हरीसिंह, सेवंता बाई पति हरीसिंह मालवीय, हरीसिंह आ. गंगाराम मालवीय व हेमलता बाई पति संजू उर्फ हेमंत शामिल हैं. आरोपियों ने बताया कि वन भूमि को लेकर उनका फरियादी परिवार से पुराना विवाद चल रहा था. साथ ही दीपावली के समय आरोपी के पुत्र ऋतिक की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, जिस पर उन्हें संदेह था कि यह दुर्घटना जगदीश ने करवाई है.इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने कुलदीप व शीतल की हत्या करना स्वीकार किया. आरोपियों को न्यायालय में पेश किया.

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना हमारा लक्ष्य

- नए भवन व अन्य कार्यों के लिए 15.44 करोड़ रुपए स्वीकृत
- विधायक राय की अनुशंसा पर शिक्षा मंत्री ने दी स्वीकृति

नवभारत न्यूज

सीहोर 7 मार्च. पीएमश्री कॉलेज में नए भवन निर्माण एवं पुराने भवन के सुधारीकरण सहित विभिन्न कार्यों के लिए 15 करोड़ 44 लाख 10 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है. यह राशि विधायक सुदेश राय की अनुशंसा पर उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार द्वारा स्वीकृत की गई है.

इस राशि से कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों के लिए नए भवन का निर्माण कराया जाएगा, वहीं क्षतिग्रस्त पुराने भवन का सुधारीकरण और अन्य आवश्यक निर्माण कार्य भी किए जाएंगे. जिससे विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेगी.

प्राचार्य रोहिताश्व शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या और बेहतर सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विधायक सुदेश राय से विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए शासकीय मद से राशि उपलब्ध कराने की मांग की गई थी. उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नए भवन निर्माण के लिए 7 करोड़ 66 लाख 93 हजार रुपए तथा पुराने भवन के रखरखाव एवं अन्य जरूरी निर्माण कार्यों के लिए 7 करोड़ 77 लाख 17 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं.

इस मौके पर विधायक सुदेश राय ने कहा कि विद्यार्थियों को कॉलेज में उत्तम शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना और शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना ही उनका मुख्य लक्ष्य है. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के हित में आगे भी हर संभव प्रयास किए जाते रहेंगे.

विधायक पुत्र व पूर्व पार्षद भिड़े, पुलिस ने किया प्रकरण दर्ज

नवभारत न्यूज

आष्टा 7 मार्च. नगर में दो राजनीतिक रूप से सक्रिय व्यक्तियों के बीच विवाद का मामला सामने आया है. यह विवाद साधारण कार्यकर्ताओं के बीच नहीं बल्कि विधायक के पुत्र एवं जिला पंचायत सदस्य और एक पूर्व पार्षद के बीच हुआ, जिसके बाद मामला थाने तक पहुंच गया. दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

जानकारी के अनुसार पूर्व पार्षद बाबूलाल मालवीय ने आरोप लगाया है कि विधायक के पुत्र व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह इंजीनियर उनके घर में घुसकर उनके साथ मारपीट की. पूर्व पार्षद बाबूलाल ने आरोप लगाया कि इस दौरान उन्हें गंभीर रूप से धमकाया गया और उनके साथ मारपीट की गई. बाबूलाल मालवीय ने पूरी घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है, जो अब क्षेत्र में तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में महेंद्र सिंह इंजीनियर उनके घर के अंदर मौजूद दिखाई दे रहे हैं, जिससे मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं.

वहीं दूसरी ओर विधायक पुत्र और जिला पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह इंजीनियर ने भी थाने में शिकायत दर्ज कराई है. उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने पूर्व पार्षद बाबूलाल मालवीय सहित कुल चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है. महेंद्र सिंह इंजीनियर का पक्ष है कि विवाद के दौरान उनके साथ भी अभद्रता की गई और उन्हें घेरकर विवाद किया गया.

घटना के बाद से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के कारण मामला और अधिक

चर्चा में आ गया है. वीडियो में दिख रही गहमागहमी और घटनास्थल की स्थिति को पुलिस जांच का आधार बना रही है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि विवाद की शुरुआत कैसे हुई और वास्तविक घटनाक्रम क्या था.

इस पूरे घटनाक्रम के कारण क्षेत्र की राजनीति में भी हलचल देखने को मिल रही है. चूंकि मामला विधायक के परिवार से जुड़ा है. इसलिए पुलिस प्रशासन भी सतर्कता से जांच कर रहा है.

थाना प्रभारी गिरीश दुबे ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद की स्थिति बनी थी. इसी सिलसिले में महेंद्र सिंह इंजीनियर, बाबूलाल मालवीय को समझाने के लिए उनके घर पहुंचे थे, जहां बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया. पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है. मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है. जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

परीक्षण उपरांत बनाए दिव्यांगों के प्रमाण पत्र

सीहोर. जिले के शून्य से 18 वर्ष की आयु वाले सभी बच्चों में दिव्यांगता की पहचान के लिए सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों में स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है. इन शिविरों में जिला मेडिकल बोर्ड एवं जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा सभी संभावित दिव्यांग बच्चों की पहचान, स्क्रीनिंग एवं प्रमाणन सुनिश्चित किया जा रहा है और चिन्हांकित दिव्यांग बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं. कलेक्टर बालागुरू के के निर्देशानुसार अभी तक जिले के अनेक स्थानों पर शिविर लग चुके हैं. अब 10 मार्च को बुधनी में और 12 मार्च को शाहगंज में शिविर आयोजित किए जाएंगे.

यातायात नियम तोड़ने पर वसूला जुर्माना

नवभारत न्यूज

आष्टा 7 मार्च. शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा सड़कों पर विशेष अभियान चलाया गया. इस दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले 14 वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए उनसे कुल 7 हजार 500 रुपए का जुर्माना वसूला गया.

यातायात प्रभारी शशिकांत शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों और व्यस्त चौराहों पर कस्बा भ्रमण कर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया. अभियान के दौरान ट्रैफिक नियमों और संकेतों की अवहेलना करने वाले 14 वाहन चालकों एवं वाहन मालिकों के विरुद्ध मोटर

व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई और उनसे 7 हजार 500 रुपए का समन शुल्क वसूला गया.वहीं जैन धर्मशाला के सामने खड़े वाहनों को अनाउंसमेंट कर हटवाया गया, ताकि सड़क पर जाम की स्थिति न बने. पुलिस टीम ने किलेरामा चौपाटी, अलीपुर, इंदौर नाका, कॉलोनी चौराहा, भोपाल नाका और मंडी गेट सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर यातायात व्यवस्था का जायजा लिया.

समस्या निवारण शिविर पर उठे सवाल

नवभारत न्यूज

सीहोर 7 मार्च. जिले में शिक्षकों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए 9 से 18 मार्च तक 10 दिवसीय समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे. हालांकि शिविर की अवधि और समय को लेकर शिक्षकों के बीच सवाल उठने लगे हैं. पहले ऐसे शिविर 5 दिन के होते थे, लेकिन इस बार इन्हें 10 दिन तक आयोजित किया जा रहा है.

शिविर का समय सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक निर्धारित किया गया है. शिक्षकों का कहना है कि इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं और मूल्यांकन कार्य चल रहा है, इसलिए तय समय में शिविर में शामिल होना मुश्किल होगा. वर्तमान में कई शिक्षक बोर्ड परीक्षाओं के संचालन में लगे हुए हैं, जबकि अन्य शिक्षक उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में व्यस्त हैं. इसके अलावा कक्षा 9 वीं और 11 वीं की परीक्षाएं भी जारी हैं और 9 मार्च से प्राथमिक कक्षाओं की वार्षिक परीक्षाएं शुरू होने जा रही हैं. वहीं कक्षा 5 वीं और 8 वीं की परीक्षाओं का मूल्यांकन भी प्रारंभ हो चुका है. इसके साथ ही जनगणना से जुड़े कार्यों की तैयारी भी शुरू हो गई है. ऐसे में शिक्षकों पर एक साथ कई जिम्मेदारियां आ गई हैं, जिससे शिविर के समय को लेकर असमंजस की स्थिति बन रही है. शिक्षकों का कहना है कि पिछले साल भी कई शिकायतों का समाधान नहीं हो पाया था और कई समस्याएं अब भी लंबित हैं.

इस बार भी महंगाई भत्ते और क्रमोन्नत वेतनमान के एरियर से जुड़ी शिकायतें सबसे अधिक आने की संभावना जताई जा रही है. जिले में करीब साढ़े सात हजार से अधिक शिक्षक कार्यरत हैं.

प्रशासन की ओर से दावा किया जा रहा है कि इस बार शिकायतों की निगरानी के लिए डीईओ और सहायक संचालक स्तर पर कंट्रोल रूम बनाया जाएगा तथा संभाग स्तर से प्रतिदिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा भी की जाएगी. वहीं शिक्षक संगठनों का कहना है कि समस्याओं के निराकरण के लिए समय-सीमा और ट्रैकिंग व्यवस्था भी सुनिश्चित की जानी चाहिए.

परेशानी अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मंहगाई का तोहफा, बढ़े रसोई गैस के दाम, 60 रुपये हुआ इजाफा

सिलेंडर के दाम बढ़ने से महिलाओं का छलका दर्द

नवभारत न्यूज

सीहोर. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च के उपलक्ष्य में जहां आधी आबादी सरकार से किसी बड़ी सौगात या राहत की उम्मीद लगाए बैठी थी, वहीं केंद्र सरकार ने ऐन एक दिन पहले रसोई गैस के दामों में भारी बढ़ोतरी कर महिलाओं के किचन का जायका बिगाड़ दिया है. घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में 60 रुपए का इजाफा किया गया है, जिसके बाद अब सिलेंडर की कीमत 930.50 रुपए तक पहुंच गई है.

केंद्र सरकार के निर्णय के अनुसार बढ़ी हुई कीमतें लागू हो गई हैं. घरेलू सिलेंडर के साथ-साथ 19 किलो वाले कॉमर्शियल

सिलेंडर के दामों में भी 115 रुपए की बड़ी वृद्धि की गई है. इस फैसले का सीधा असर मध्यम और निम्न वर्गीय परिवारों की जेब पर पड़ा है. जिले में एक दिन पहले तक जो सिलेंडर 870.50 रुपए में मिल रहा था, उसके लिए अब उपभोक्ताओं को अपनी जेब और ज्यादा ढीली करनी होगी.

आम जनता के बीच इस बात की भी चर्चा है कि क्या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी स्थितियों के कारण ईंधन की कीमतों में यह उछाल आया है. गैस की किल्लत व कीमतों में बढ़ोतरी का अंदेशा पहले ही जताया जा रहा था.

गृहणी प्रति शर्मा का कहना है कि हमने सोचा था कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सरकार महिलाओं के हित में कोई अच्छा निर्णय लेगी, जैसे दामों में कटौती या कोई अन्य रियायत, लेकिन सरकार ने इसके उलट गैस के दाम बढ़ाकर हमारे घर का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है. वहीं आरती ठाकुर बोली कि कि एक तरफ महिला सशक्तिकरण की बातें होती हैं और दूसरी तरफ रसोई की सबसे जरूरी चीज को महंगा कर दिया जाता है. 60 की बढ़ोतरी आम परिवार के लिए बहुत मायने रखती है. इसी प्रकार हेमलता मालवीय का कहना है कि त्योहारों और विशेष दिनों पर महंगाई बढ़ाना अब एक परंपरा बन गई है. चूल्हा जलाना अब हर दिन महंगा होता जा रहा है. सरकार को कम से कम महिला दिवस के सम्मान में इस बढ़ोतरी को टालना चाहिए था.

विश्व श्रवण दिवस पर निकाली रैली

नवभारत न्यूज

सीहोर. स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व श्रवण दिवस पर राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत जागरुकता रैली निकाली गई. साथ ही संगोष्ठी का आयोजन किया गया.

सिविल सर्जन डॉ यूके श्रीवास्तव व डॉ सुधीर श्रीवास्तव द्वारा नागरिकों को कान से संबंधित बीमारियों की रोकथाम एवं देखभाल के बारे में से जानकारी दी. कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग छात्राओं द्वारा कान की आकृति बनाकर लोगों को श्रवण स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया गया. ऑडियोलॉजिस्ट एवं स्पीच थेरेपिस्ट राजकुमार ने बताया कि यदि 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों में सुनने की समस्या की शीघ्र पहचान हो जाए तो कॉक्लियर

इंप्लांट सर्जरी संभव है, जिसके बाद स्पीच थेरेपी के माध्यम से बच्चों के विकास में सहायता मिलती है. उन्होंने बताया कि नाक, कान, गला विशेषज्ञ की सलाह पर पीटीए की जांच जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र में की जाती है.